संस्कृति एवं सभ्यता
(Culture and Civillization)

संस्कृति से सभ्यता जैसे शब्द का बहुत नजदीकी संबंध रहा है। दोनों शब्दों का प्रयोग कभी-कभी एक ही अर्थ में प्रयोग किया जाता है। आंग्ल फ्रेंच चिन्तन में संस्कृति और सभ्यता का एक ही अर्थ में प्रयोग किया जाता रहा है। ब्रिटिश मानवशास्त्री टायलर ने भी दोनों शब्दों का एक ही अर्थ में प्रयोग किया है। इन दो शब्दों का अर्थ इसलिए एक ही अर्थ में किया जाता रहा है कि सभ्यता बर्बरता के एक प्रतिकूल स्तर की सूचक है। टायनबी ने अपनी पुस्तक A Study of History मे इक्कीस प्रकार की सभ्यताओं की चर्चा की है, लेकिन उन्होंने कहीं सभ्यता के लिए संस्कृति, तो कहीं संस्कृति के लिए सभ्यता का प्रयोग किया है।

सभ्यता मूलतः उन भौतिक उपादानों से संबंध होती है, जिन्हें मनुष्य ने पर्यावरण में अपना जीवन व्यवस्थित करने के लिए निर्मित या आविष्कृत किया है, जैसे— गर्मी से राहत पाने के लिए पंखा, कूलर या एयरकंडीशनर इत्यादि का निर्माण। उसी प्रकार ठंड से बचने के लिए कम्बल, विभिन्न प्रकार के गर्म वस्त्रों, बिजलीतापक उपकरणों इत्यादि का निर्माण। ये भौतिक उपादान सभ्यता के उदाहरण है।

सभ्यता की दूसरी विशेषता यह है कि यह आवश्यकताओं की पूर्ती का एक साधन है। यह मानव को आनन्द और संतुष्टि प्रदान करती है। टी॰ वी॰, रेडियो सामाचार पत्र, मोटरकार आदि हमारे उपयोग की वस्तुएँ है, जिनसे हमारी विभिन्न प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ती होती है। सभ्यता का संबंध चूंकि उपयोगिता से है,